Report on Expert Session on "Startup Support and AI-Innovation" (08 January)

START IN UP
A Government of UP Initiative

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

ARTIFICIAL INTELLIGENCE AND INNOVATION DRIVEN ENTREPRENEURSHIP CENTER OF EXCELLENCE

BUILDING THE FUTURE: START UP SUPPORT AND AI- INNOVATION

Prof. Ajay Taneja
Vice Chancellor,
KMCLU

08th January, 2025 (Thursday)

12 Noon Onwards

Atal Hall, Ground floor, Academic Block
Khwaja Moinuddin Chishti
Language University, Lucknow

SPEAKER

Mr. Vasav Krishna
Head, AI/ML Domain
SIIC, IIT Kanpur

Jointly Organized by

- AWADH INCUBATION FOUNDATION
- Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow

Event Co-Ordinators

Dr. Doa Naqvi
Chief Operating Officer, AIF

Dr. Ruchita Sujai Chowdhary
Member, AIF

Prof. Syed Haider Ali
Vice Chairman AIF

An expert lecture and interactive session on the theme “Building the Future: Start-up Support and AI Innovation” was successfully organized today at Khwaja Moinuddin Chishti Language University in the Atal Hall, Academic Block. The programme was jointly organized by the Awadh Incubation Foundation (AIF) and Khwaja Moinuddin Chishti Language University.

The event was held under the guidance and patronage of the Hon’ble Vice-Chancellor of the University, Prof. Ajay Taneja.

The keynote speaker, Mr. Vasav Krishna, Head (AI/ML Domain), Start-up Incubation and Innovation Centre (SIIC), IIT Kanpur, stated in his address that the present era is driven by artificial intelligence and data-based innovation, where start-ups can offer solutions to real societal problems. He explained that AI and machine learning are playing a transformative role in sectors such as healthcare, education, agriculture, environment, media, and governance.

He emphasized to students and research scholars that the foundation of a successful start-up lies in the clear identification of a problem, understanding local needs, and the meaningful application of technology. Mere ideas are not sufficient; they must pass through stages of prototyping, validation, and scalability.

Referring to the functioning of SIIC, IIT Kanpur, Mr. Krishna explained how incubation centres provide budding entrepreneurs with mentorship, technical guidance, industry linkages, access to funding, and legal support. In conclusion, he urged students not to fear taking risks, to accept failures as learning experiences, and to move forward in the direction of innovation-driven entrepreneurship.

On this occasion, Mr. Nripin Bhatt, Founder of Rafts and Rivers and Knowledge Partner of the Awadh Incubation Foundation, shared detailed insights into the incubation process, mentorship models, and various start-up and innovation schemes of the Government of Uttar Pradesh. In his address, he stated that innovation and entrepreneurship have become essential components of higher education, and universities are continuously striving to connect students with start-ups, research, and industry.

Prof. Syed Haider Ali, Vice President of the Awadh Incubation Foundation, stated in his address that the National Education Policy 2020 promotes innovation and entrepreneurship, and its integration into the curriculum will foster an entrepreneurial mindset among students.

The programme was efficiently moderated by Dr. Ruchita Sujay Chaudhary, Member, Awadh Incubation Foundation, while the vote of thanks was delivered by Dr. Dua Naqvi.

The event witnessed the presence of Prof. Tanveer Khadija, Dr. Manish, Dr. Udham Singh, Dr. Raj Kumar, along with many other faculty members, research scholars, and a large number of students of the University.

भाषा विश्वविद्यालय में 'स्टार्ट-अप सहयोग एवं एआई नवाचार' पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बिल्डिंग द फ़्यूचर- स्टार्ट-अप सपोर्ट एंड एआई इनोवेशन विषय पर अटल हॉल, अकादमिक ब्लॉक में विशेषज्ञ व्याख्यान एवं संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में स्टूडूट, डूडूज़ कानपुर के डू/स्रू प्रमुख श्री वसव कृष्णा ने एआई और डेटा-आधारित नवाचार की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्टार्ट-अप्स समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान का माध्यम बन सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को समस्या पहचान, प्रोटोटाइप, वैलिडेशन और स्केलेबिलिटी पर ध्यान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के नॉलेज पार्टनर श्री नृपिन भट्ट ने स्टार्ट-अप इकोसिस्टम, मेंटरशिप और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, जबकि उपाध्यक्ष प्रो. सैयद हैदर अली ने एनईपी 2020 के तहत उद्यमिता के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रुचिता सुजय चौधरी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दूआ नक़वी ने दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भाषा विश्वविद्यालयः 'स्टार्ट-अप सहयोग एवं एआई नवाचार' पर विशेषज्ञ सत्र का आयोजन

फोकस टाइम्स लखनऊ ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आज "बिल्डिंग द फ़्यूचर : स्टार्टअप सपोर्ट एंड ए.आई. इनोवेशन " विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान एवं संवादात्मक सत्र का सफल आयोजन अटल हॉल, अकादमिक ब्लॉक में किया गया। इस कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन (।ष्) एवं ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में श्री वसव कृष्णा, प्रमुख (।ь/डस- डोमेन), स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर "(घ्), घ्ज कानपुर ने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्तमान समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा–आधारित नवाचार का युग है, जहाँ स्टार्ट–अप्स समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ।ь और मशीन लर्निंग स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यावरण, मीडिया और प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रों में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से कहा कि एक सफल स्टार्ट–अप की नींव समस्या की स्पष्ट पहचान, स्थानीय आवश्यकताओं की समझ तथा तकनीक के सार्थक उपयोग पर आधारित होती है। केवल विचार पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे प्रोटोटाइप, परीक्षण (वेलिडेशन) और स्केलेबिलिटी के चरणों से गुजारना आवश्यक है। श्री कृष्णा ने घ्, घ्ज कानपुर की कार्यप्रणाली का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार इनक्यूबेशन केंद्र नवोदित उद्यमियों को मेंटॉरशिप, तकनीकी मार्गदर्शन, उद्योग संपर्क, फंडिंग एक्सेस और कानूनी सहायता उपलब्ध कराते हैं। अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जोखिम लेने से न डरें, विफलताओं को सीख के रूप में स्वीकार करें और नवाचार–आधारित उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ें। इस अवसर पर राफ्ट्स एंड रिवर्स के संस्थापक एवं अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के नॉलेज पार्टनर श्री नृपिन भट्ट ने इनक्यूबेशन की प्रक्रिया, मेंटरशिप मॉडल तथा उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न स्टार्ट–अप एवं नवाचार योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नवाचार और उद्यमिता आज उच्च शिक्षा की प्रमुख आवश्यकता बन चुकी है तथा विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को स्टार्ट–अप, शोध एवं उद्योग से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है। अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के उपाध्यक्ष प्रो. सैयद हैदर अली ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करती है तथा इसके पाठ्यक्रमीय समावेशन से विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच का विकास होगा। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. रुचिता सुजय चौधरी, सदस्य, अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दूआ नक़वी द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में प्रो. तनवीर ख़दीजा, डॉ. मनीष, डॉ. उधम सिंह एवं डॉ. राज कुमार सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जोखिम लेने से न डरें : वसव कृष्णा

लखनऊ। हमें कभी जोखिम लेने से नहीं डरना चाहिए। विफलताओं से घबराएं नहीं बल्कि उनसे सीख लें। ये बात आईआईटी कानपुर स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर के प्रमुख वसव कृष्णा ने कही। मौका था बृहस्पतिवार को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में बिल्डिंग द फ्यूचर स्टार्टअप सपोर्ट एंड एआई इनोवेशन विषय आयोजित कार्यक्रम का। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा-आधारित नवाचार का युग है, जहां स्टार्टअप समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के नॉलेज पार्टनर नृपिन भट्ट ने इनक्यूबेशन की प्रक्रिया, मेंटरशिप मॉडल व उत्तर प्रदेश सरकार के अलग-अलग स्टार्ट-अप व नवाचार योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। इस मौके पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा, प्रो. तनवीर खदीजा, डॉ. मनीष, डॉ. उधम सिंह सहित कई विद्यार्थी मौजूद रहे। (संवाद)

مصنوعی ذہانت مستقبل کی معیشت کی ریڑھ کی ہڈی اور نوجوانوں کیلئے بے پناہ مواقع: وسو کرشنا

خواجہ یونیورسٹی میں اودھ انکیوبیشن فاؤنڈیشن کے اشتراک سے پروگرام کا انعقاد

لکھنؤ (پریس ریلیز): خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے مولانا ابوالکلام آزاد اکادمی بلڈنگ کے اٹل ہال میں "بلڈنگ دی فیوچر: اسٹارٹ اپ سپورٹ اینڈ اے آئی انوویشن" کے عنوان سے ایک اہم پروگرام کا انعقاد کیا گیا۔ اس پروگرام کے بنیادی مقاصد اور اس کے موضوع کی اہمیت اور معنی خیزیت پر گفتگو کرتے ہوئے پروفیسر تنویر خدیجہ نے کہا کہ آج کا دور تیز رفتار تکنیکی تبدیلیوں، ڈیجیٹل انقلاب اور علم پر مبنی معیشت کا دور ہے، جہاں اسٹارٹ اپ کلچر اور مصنوعی ذہانت نہ صرف معاشی ترقی بلکہ سماجی تبدیلی کا بھی اہم ذریعہ بن چکے ہیں۔ اس لئے طلبہ کو اس بدلتی ہوئی علم کی دنیا سے واقف ہونا بہت ضروری ہے اور یہی ضرورت اس پروگرام کے انعقاد کا بنیادی سبب ہے۔ اس پروگرام کے مہمان خصوصی نرپن بھٹ نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ آج کے بدلتے ہوئے عالمی منظرنامے میں یونیورسٹیوں کا کردار محض نصابی تعلیم تک محدود نہیں رہا بلکہ اب تعلیمی اداروں پر یہ ذمہ داری عائد ہوتی ہے کہ وہ طلبہ کو اختراع، تحقیق، ٹیکنالوجی اور عملی مہارتوں سے ہم آہنگ کریں۔ انھوں نے کہا کہ اسٹارٹ اپ کلچر اور مصنوعی ذہانت جیسے جدید شعبے نوجوانوں کے لیے نئے امکانات اور مواقع پیدا کر رہے ہیں جن سے فائدہ اٹھانا وقت کی اہم ضرورت ہے۔ انھوں نے اس بات پر زور دیا کہ اگر یونیورسٹیاں تحقیق اور صنعت کے درمیان مضبوط رابطہ قائم کریں تو طلبہ نہ صرف جدید مسائل کے حل میں موثر کردار ادا کر سکتے ہیں بلکہ وہ خود کو ایک ذمہ دار اور خود کفیل شہری کے طور پر بھی منوا سکتے ہیں۔ انھوں نے مزید کہا کہ مصنوعی ذہانت آج کے دور میں تعلیم، صحت، زراعت، انتظامیہ اور صنعت سمیت ہر شعبے میں انقلابی تبدیلیاں لا رہی ہے لہٰذا طلبہ کے لیے ضروری ہے کہ وہ اس ٹیکنالوجی کو صرف صارف کے طور پر نہیں بلکہ تخلیق کار اور اختراع کار کے طور پر سمجھیں اور استعمال کریں۔

اس پروگرام کے اہم مقرر مسٹر وسو کرشنا نے مصنوعی ذہانت، مشین لرننگ اور اسٹارٹ اپ سپورٹ سسٹم پر تفصیلی گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ مصنوعی ذہانت محض ایک جدید ٹیکنالوجی نہیں بلکہ مستقبل کی معیشت کی ریڑھ کی ہڈی ہے، جو عالمی سطح پر کام کرنے کے طریقوں، کاروباری ماڈلز اور فیصلہ سازی کے نظام کو یکسر تبدیل کر رہی ہے۔ انہوں نے کہا کہ آج کے دور میں اے آئی اور مشین لرننگ کے بغیر کسی بھی صنعت یا ادارے کی ترقی کا تصور ممکن نہیں رہا۔ مسٹر وسو کرشنا نے وضاحت کرتے ہوئے کہا کہ اے آئی پر مبنی حل صحت، تعلیم، زراعت، مالیاتی خدمات، ای۔کامرس اور سرکاری نظم و نسق جیسے شعبوں میں موثر اور دیرپا تبدیلیاں لا رہے ہیں۔ انہوں نے اس بات پر زور دیا کہ نوجوان اگر اس ٹیکنالوجی کو صحیح سمت میں سیکھیں اور استعمال کریں تو وہ نہ صرف عالمی مارکیٹ میں اپنی جگہ بنا سکتے ہیں بلکہ مقامی مسائل کے حل کے لیے بھی اختراعی ماڈلز پیش کر سکتے ہیں۔ اس موقع پر پروفیسر سید حیدر علی (وائس چیئرمین، اودھ انکیوبیشن فاؤنڈیشن) نے بھی موضوع کے تعلق سے اظہار خیال کیا۔ انھوں نے اپنے بیان میں کہا کہ اسٹارٹ اپ کلچر اور مصنوعی ذہانت کا امتزاج نوجوانوں کو خود کفیل بنانے کی مضبوط بنیاد فراہم کرتا ہے۔ اودھ انکیوبیشن فاؤنڈیشن کا مقصد یہی ہے کہ تعلیمی اداروں میں اختراع، تحقیق اور صنعت سے جڑنے کا ماحول پیدا کیا جائے تاکہ طلبہ اپنے خیالات کو عملی شکل دے سکیں اور قومی ترقی میں حصہ دار بنیں۔ یہ پروگرام اودھ انکیوبیشن فاؤنڈیشن اور خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی، لکھنؤ کے اشتراک سے منعقد کیا گیا۔ آخر میں سوال و جواب کا سیشن منعقد ہوا جس میں طلبہ اور شرکا نے اسٹارٹ اپس اور اے آئی سے متعلق متعدد سوالات کیے۔ اس پروگرام کی نظامت ڈاکٹر روچیتا سجائے اور شکریہ کے کلمات ڈاکٹر دعا نقوی نے ادا کیا۔

لوہیا
A NAMA LUCKNOW

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० हिन्दुस्तान लखनऊ दिनांक 09 JAN 2026

'एआई और मशीन लर्निंग क्रांतिकारी बदलाव ला रहे'

लखनऊ, संवाददाता। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अटल सभागार में गुरुवार को 'बिल्डिंग द फ्यूचरः स्टार्टअप सपोर्ट एंड एआई इनोवेशन' विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया।

अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों ने शिक्षकों और शोधार्थियों को भविष्य की तकनीक और उद्यमिता के गुर सिखाए। मुख्य वक्ता, आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर के प्रमुख वसव कृष्णा ने जोर देकर कहा कि वर्तमान युग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा आधारित नवाचार का है। उन्होंने बताया कि एआई और मशीन लर्निंग स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं। उनके अनुसार, एक सफल स्टार्टअप के लिए केवल विचार ही काफी नहीं है, बल्कि समस्या की पहचान, प्रोटोटाइप निर्माण और परीक्षण (वैलिडेशन) के चरणों से गुजरना अनिवार्य है। वहीं, अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के नॉलेज पार्टनर नृपिन भट्ट ने सरकार की स्टार्टअप योजनाओं, मेंटरशिप मॉडल और इनक्यूबेशन प्रक्रिया की जानकारी दी।